বিদ্যাসাগর বিশ্ববিদ্যালয়

VIDYASAGAR UNIVERSITY

Question Paper

B.A. General Examinations 2022

(Under CBCS Pattern)

Semester - VI

Subject : SANSKRIT

Paper : SEC 4-T

Indian Theatre

Full Marks : 40

Time : 2 Hours

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.
The figures in the margin indicate full marks.

Group - A

অধোলিখিতেষু প্রশ্নেষু **चतुर्णाम्** প্রশ্নানাম্ উত্তরং প্রদেয়ম্ : 5×4=20

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যেকোন **চারটি** প্রশ্নের উত্তর দাও :

1. भरतमुनिना नाट्यशास्त्रे कति रसाः स्वीकृताः ? तेषां रसानां नाम वर्णाः देवताश्च उल्लिख्यन्ताम्।

   ভরতমুনি নাট্যশাস্ত্রে কয়টি রস স্বীকার করেছেন। রসসমূহের নাম, বর্ণ ও দেবতা উল্লেখ কর।

2. संस्कृतनाट्यसाहित्ये वैदिकसाहित्यस्यावदानं आलोचनीयम्।

   সংস্কৃতনাট্যসাহিত্যে বৈদিকসাহিত্যের অবদান আলোচনা কর।

3. संस्कृतनाट्यशास्त्रानुसारेण नाट्यवस्तुविषयकः एकः लघु प्रबन्धः लेख्यः।

   সংস্কৃতনাট্যশাস্ত্রানুসারে নাট্যবস্তুবিষয়ক একটি প্রবন্ধ লেখ।

Vidyasagar University

4. संस्कृतनाट्यशास्त्रानुसारेण वाचिकम् आहार्यं च आश्रित्य आलोच्यन्ताम्।

   সংস্কৃতনাট্যশাস্ত্রানুসারে বাচিক ও আহার্য বিষয়ে আলোচনা কর।

5. गणनाट्यं किम्? वङ्गगणनाट्यमाश्रित्य एकः लघु प्रबन्धः लेख्यः।

   গণনাট্য কী? বাংলা গণনাট্যবিষয়ে সংক্ষিপ্ত একটি প্রবন্ধ লেখ।

6. वैयासिके महाभारते प्राप्तानि संस्कृतनाट्यसाहित्यविषयकाणि तत्त्वानि उल्लिख्यन्ताम्।

   বৈয়াসিক মহাভারতে প্রাপ্ত সংস্কৃতনাট্যসাহিত্য সম্পর্কিত তথ্যগুলি উল্লেখ কর।

Group - B

অধোলিখিতেষু প্রশ্নেষু **দ্বয়োঃ** প্রশ্নয়োঃ উত্তরং প্রদেয়ম্ **:** 10×2=20

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যেকোন **দুটি** প্রশ্নের উত্তর দাও :

1. भारतवर्षस्य जातीयनाट्यसंस्थायाः स्थापना कदा कुत्र अभवत् अस्याः संस्थायाः विकाशमाश्रित्य एकः प्रबन्धः लेख्यः।

   ভারতের জাতীয় নাট্যসংস্থার (Indian National Theatre) প্রতিষ্ঠা কবে ও কোথায় হয়েছিল। প্রতিষ্ঠানটির ক্রমবিকাশ সম্পর্কে একটি প্রবন্ধ লেখ।

2. अर्वाचीनभारतीयनाट्यसाहित्यम् संक्षेपेण आलोचनीयम्।

   আধুনিক ভারতীয় নাট্য বিষয়ে সংক্ষেপে আলোচনা কর।

3. संस्कृतनाट्यसाहित्ये ग्रीक्साहित्यस्यावदानम् आलोचनीयम्।

   সংস্কৃতনাট্যসাহিত্যে গ্রীকসাহিত্যের প্রভাব আলোচনা কর।

4. आचार्येण भरतेन प्रणीतं रससूत्रमुल्लेखपुरःसरं व्याख्यायताम्।

   আচার্য ভরত প্রণীত রসসূত্রটি উল্লেখপূর্বক ব্যাখ্যা কর।

Vidyasagar University